सांध्य दैनिक

# डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 335 | इंदौर, बुधवार 14 जून, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

## Headline

1. 'अंतरराष्ट्रीय खजाना हैं डोभाल': US के राजदूत ने की भारत के NSA की तारीफ, कहा- दोनों देशों की नींव काफी मजबूत
2. धीरेंद्र शास्त्री से होगी शिवरंजनी की शादी!: कठिनाइयां तो बहुत...लेकिन प्राणनाथ के लिए कुछ भी करने को तैयार
3. Mumbai: पति के अफेयर का था शक, बाबा ने पत्नी से कहा- हवन कराओ, लकवे से मर जाएगी उसकी दोस्त
4. TN: तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी को ईडी ने किया गिरफ्तार, ICU में भर्ती; DMK ने लगाए टॉर्चर के आरोप
5. USA: पाकिस्तान के राजनीतिक हालात पर अमेरिका ने जताई चिंता, सेना को दे डाली नसीहत

## दर्दनाक हादसा

# चार की मौत

### बस और कार में हुई जोरदार

## कार काटकर निकालने पड़े शव, तीन गंभीर घायल इंदौर में भर्ती

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**शाजापुर (उज्जैन)।** शाजापुर में यात्री बस और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। कार सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। चार गंभीर घायलों को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया। इनमें से एक ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। शव और घायल बुरी तरह अंदर फंसे थे, जिन्हें कार काटकर बाहर निकाला गया। हादसा कृषि उपज मंडी के पास मंगलवार रात करीब 11 बजे हाईवे पर हुआ।

### ● इंदौर से सारंगपुर जा रही थी बस

महामाया ट्रैवल्स की यात्री बस इंदौर से सारंगपुर जा रही थी। बस शाजापुर से निकली ही थी और सामने से आ रही कार से टक्कर हो गई। इस दौरान शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार शुजालपुर की ओर जा रहे थे। हादसे को देखकर मौके पर ही रुक गए। मंत्री के पीए ने सीएमएचओ और पुलिस को जानकारी दी। घायलों को अस्पताल भेजने के बाद मंत्री शुजालपुर के लिए रवाना हुए।

### सभी युवक शाजापुर के निवासी

कार में सवार सभी सात युवक शाजापुर के रहने वाले हैं। ये सभी घर लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। हादसे में रहबर पिता मसूद निवासी पटेलवाड़ी महुपूरा, दानिश पिता सोहराब और अरहम पिता शकील बेग ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इसके अलावा फरहान पिता फिरोज, रहबर पिता शरीफ और अर्शिल पिता शरीफ को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया। इनमें से एक ने बुधवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अबूवकर पिता रहीम मंसूरी का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग जिला अस्पताल पहुंच गए।

## खजुराहो-नौगांव में हीट वेव चलेगी; टेम्प्रेचर भी यहीं सबसे ज्यादा रहेगा

# 16 जून तक तेज गर्मी, 17 से बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**भोपाल।** अरब सागर में उठा तूफान बिपरजॉय और राजस्थान के गर्म रहने की वजह से मध्यप्रदेश में भी गर्मी का असर है, जो अगले 3 दिन यानी, 14, 15 और 16 जून तक रहेगा। 17 जून से प्रदेश में मौसम बदलेगा और गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। अगले तीन दिन तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि लोकल सिस्टम की बारिश कराएगा। 20 जून के बाद ही मानसून प्रदेश में एंट्री करेगा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि तूफान ने सारी नमी खिंच ली है। इस कारण प्रदेश में मौसम साफ है। सूरज की धूप सीधे जमीन पर आ रही है। जिससे गर्मी का असर बढ़ा है। दूसरी ओर राजस्थान भी गर्म है। इस कारण वहां से गर्म हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही है और सीमा के जिलों में गर्मी का असर ज्यादा है। बुधवार को छतरपुर जिले के खजुराहो और नौगांव में लू जैसे हालात बने रहेंगे। अभी टेम्प्रेचर यहां सबसे ज्यादा है। अगले तीन दिन यहां तेज गर्मी पडऩे के आसार बन रहे हैं। तूफान पाकिस्तान के रास्ते राजस्थान में जाएगा। वहां पर 16-17 जून को बारिश होने के आसार है। इस कारण मध्यप्रदेश में भी मौसम बदलेगा। गर्म हवाएं ठंडी हवाओं में बदल जाएगी और गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

### दोपहर बाद गरज-चमक की स्थिति

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि प्रदेश के कुछ शहरों में दोपहर के बाद गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। मंगलवार को भी सागर, दमोह, सिवनी और ग्वालियर में हल्की बारिश हुई। इसकी वजह लोकल सिस्टम रहा। बुधवार को भी कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है।

### मानसून को लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं

मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री को लेकर तस्वीर साफ नहीं है, लेकिन 20 जून के बाद ही यह प्रदेश में आएगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून थोड़ा बढ़ा है। यह प्रदेश में 20 से 25 जून के बीच ही आएगा।

### भोपाल में ऐसा रहेगा मौसम

राजधानी भोपाल की बात करें तो 14 जून को कहीं धूप तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है। 15 जून को भी बादल छा सकते हैं, लेकिन 16 और 17 जून को तेज गर्मी पड़ सकती है। इसके बाद ही बारिश का दौर शुरू होगा।

### खजुराहो में पारा 45 डिग्री के पार, ग्वालियर-दमोह समेत 6 शहरों में भी टेम्प्रेचर हाई

इससे पहले मंगलवार को मध्यप्रदेश नौतपा जैसा तपा। कई शहरों में पारा ज्यादा रहा। खजुराहो सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 45.2 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, ग्वालियर, दमोह, सतना, सीधी, नौगांव और शिवपुरी में पारा 43 डिग्री से ज्यादा रहा। भोपाल में तापमान 41.4 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि जबलपुर भी गर्म रहा। प्रदेश के 22 शहर ऐसे रहे, जहां तापमान 40 डिग्री से लेकर 45.2 डिग्री तक रहा। इधर, कुछ शहरों में हल्की बारिश भी हुई। इनमें सागर, दमोह, सिवनी और ग्वालियर शामिल हैं।

## डीएसपी वर्मा को पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति पत्र एवं डिस्क



@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस रेडियो टेज्निंग स्कूल इन्दौर के उप पुलिस अधीक्षक राजिन्दर सिंह वर्मा पुलिस को 15 वर्ष तक लगातार उत्कृष्ट एवं स्वच्छ अभिलेख होने पर पुलिस महानिदेशक म.प्र. भोपाल द्वारा पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति पत्र एवं डिस्क वर्ष 2022 के प्रदाय करने की घोषणा की गई। श्री वर्मा वर्ष 1998 बैच के सीधी भर्ती के उप निरीक्षक वर्ष 2014 में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होकर इकाई में वर्ष 2018 से उप पुलिस अधीक्षक बाह्य प्रशिक्षण, आहरण संवितरण अधिकारी एवं कल्याण कार्य कर रहे हैं।

## पत्रकार प्रवीण जोशी सम्मानित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक प्रवीण जोशी का सम्मान किया गया। एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरर्स इंदौर लोकल के अध्यक्ष इंजिनियर आर पी गौतम और पर्यावरणविद डॉ. शंकर लाल गर्ग ने प्रवीण जोशी को ट्राफी देकर सम्मानित किया। यह जानकारी देते हुए इंजिनियर आशुतोष कुटुंबले ने बताया कि प्रवीण जोशी ने पत्रकारिता में शुरूआत चार दशक पूर्व अखबारों में संपादक के नाम पत्र से की।

## रक्तदान शिविर का आयोजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सूचीबद्ध फाइनेंशियल कंपनी स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड ने स्टेट ऑफ आर्ट मॉडल ब्लड बैंक के सहयोग से समाज के लिए एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन भारतीय बाजार में स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट की 31 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था। सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट समाज की सेवा करने में विश्वास रखता है, इस ब्लड डोनेशन कैंप का उद्देश्य जरूरतमंद रोगियों को समय पर ब्लड उपलब्ध कराने में ब्लड बैंकों की मदद करना है। इस बल्ड डोनेशन कैंप का आयोजन एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर के सहयोग से स्वास्तिका के परिसर में किया गया था शिविर का उद्घाटन स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील न्याती ने किया। इस ब्लड डोनेशन कैंप में कंपनी के 116 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

# इंदौर जिले में मंगलवार का दिन रहा किसानों के लिए बड़ी राहत का दिन

● किसानों को फसल बीमा के रूप में मिली 120.70 करोड़ रुपये की राशि तथा 'मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना के तहत 23 करोड़ रुपये से अधिक का हुआ ब्याज माफ

### जिले का मुख्य कार्यक्रम सांसद श्री लालवानी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर जिले में आज मंगलवार का दिन किसानों के लिए बड़ी राहत का दिन रहा। आज किसानों को राज्य शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। इन किसानों के बैंक खातों में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजगढ़ में केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की विशेष मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना तथा फसल बीमा की राशि जमा की।

जिले का मुख्य कार्यक्रम आज देपालपुर में सांसद श्री शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के 9 हजार 49 किसानों के 23.22 करोड़ रूपये से अधिक राशि के ब्याज माफ किए गए। साथ ही जिले के किसानों को फसल बीमा योजना के तहत 120.70 करोड़ रूपये की राशि का भी भुगतान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में अनेक योजनाएं प्रारंभ की है। इन योजनाओं से किसानों की आत्मनिर्भर बढ़ेगी और आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर देने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस दिशा में मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना भी प्रारंभ की है। अधिक से अधिक युवा इस योजना का लाभ लेवे। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री राजेश सोनकर, श्री उमानारायण पटेल, श्री कचंन सिंह चौहान, गोपाल सिंह चौधरी, श्री सतीश मालवीय, श्री मोहन सिंह कछावा और श्री गुमान सिंह पंवार आदि भी मौजूद थे। कार्यक्रम में सांसद श्री लालवानी ने लाभान्वित किसानों को लाभ के प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

जिले में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा अनुसार मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। इसके तहत इंदौर जिले के 9 हजार 49 किसानों के 23.22 करोड़ रूपये से अधिक राशि के ब्याज माफ किए गए। साथ ही जिले के किसानों को फसल बीमा योजना के तहत 120.70 करोड़ रूपये की राशि का भी भुगतान किया गया। इसमें से खरीफ-2021 की 56.41 करोड़ तथा रबी वर्ष-2021-22 की 64.36 करोड़ रूपये फसल बीमा राशि शामिल है।

इसी तरह जिले की समस्त सेवा सहकारी समितियों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में राजगढ़ में आयोजित कार्यक्रम किसान महाकुम्भ का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

## 1 लाख रुपए की पाठ्य सामग्री और छात्रवृत्ति वितरित की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कायस्थ समाज 100% शिक्षित समाज है । अत हमारायह दायित्व अब और बढ़ जाता है कि हम समाज के उस तबके तक आर्थिक मदद जरूर पहुंचाएं, जिससे कोई प्रतिभा शिक्षा से वंचित न रह जाए । यह विचार श्री कायस्थ सभा इंदौर तथा चित्रांश सहयोग एवं कल्याण समिति द्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि बतौर शैल्बी हास्पिटल के सी ई ओ अंकुर खरे ने व्यक्त किए । अध्यक्षता करते हुए ओ.पी श्रीवास्तव ने समाज के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए हर सदस्य द्वारा अपने योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में एक लाख से अधिक की स्कॉलरशिप, पाठ्य सामग्री वितरित की गई।

स्कालरशिप प्रभारी पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ.आर.सी.वर्मा स्कालरशिप वंशिका निगम,दक्ष भटनागर, आकर्ष माथुर, मीत श्रीवास्तव को ,सरोज भटनागर स्कालरशिप अपूर्वी श्रीवास्तव को,उमादेवी सक्सेना विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार माही खरे को,सावित्री नर्मदा प्रसाद श्रीवास्तव स्कालरशिप शशांक श्रीवास्तव को,जे.एन. पी.स्कालरशिप दीपक खरे को,मंजुला देवी श्रीवास्तव स्कालरशिप पवन निगम को,निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव स्कालरशिप आयुश सक्सेना को दी गई। इस अवसर पर सावित्री देवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्टी अर्चना श्रीवास्तव द्वारा विद्यार्थियों को कापियां वितरित की गई।

## मतदाता सूची अनियमितताओं को लेकर कलेक्टर से मुलाकात

इंदौर। कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर कलेक्टर इलैयाराजा टी से मतदाता सूची की अनियमितताओं को लेकर मुलाकात की एवं ज्ञापन सौंपा। बीएलओ की कार्य पद्धति, मतदाता सूची में त्रुटिया, गरुड़ ऐप की वास्तविकता से माननीय जिला निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराया। इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से इंदौर शहर एवं जिला शहर कांग्रेस के सहप्रभारी चंद्रशेखर शर्मा, महेंद्र परमार , दीपक जोशी पिंटू , दिलीप कौशल रवि गुरनानी डॉ अमीनुल खान सूरी रमीज खान,सुवेग राठी,गिरीश जोशी,देवेंद्र यादव,विवेक खण्डेलवाल एवं अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे ।

## कटाक्ष

# अकीदत के फूलों के साथ पेश की मखमली चादर

● हैदराबाद के यजदानी बाबा ने चादर पेश करने के साथ मांगी देश की खुशहाली की दुआ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर । एमजी रोड़ स्थित हजरत नियाज अली नक्शबंदी सरकार की पवित्र मजार पर सैकड़ों लोगों ने चादर व अकीदत के फूल पेश किए। लोबान की धुनी और इत्र से पूरा माहौल महक रहा था। कुल व फातिहा के बाद नवाबों के शहर हैदराबाद से तशरीफ लाये हजरत मीर मुजतबा यजदानी जैसे ही अपने काफिले के साथ चादर पेश करने आये तो अल्लाहो अकबर के नारों से माहौल गूंज उठा। उर्स में हैदराबाद के मीर मुज्तबा यजदानी बाबा के नेतृत्व में हर साल मुस्लिम समुदाय परम्परागत चादर शरीफ पेश करता है। 1982 से यजदानी बाबा साहब अपने मुरीदों के साथ नवाबों के शहर हैदराबाद से परम्परागत चादर शरीफ लेकर हाजिर हो रहे हैं । सालाना उर्स में प्रमुख रूप से शहर काजी डॉक्टर इशरत अली, मुफ़्ती-ए-मालवा मौलाना नूरुलहक नूरी, मोहम्मद अनीस खान, शेख असलम, वसीम इकबाल,मंजूर अहमद, सदर आसिफ मुल्तानी,सचिव तौसिफ अहमद, नदीम रजवी, चाँद मियां नक्शबंदी, हाजी अब्दुल हमीद, अली अहमद रब्बानी, मीर मुजतबा सुब्हानी, सुल्तान रिजवी, लाला मिनाज अहमद, उमर अहमद, अफसार अहमद, डॉ. खलीकुर रेहमान की मौजूदगी में हैदराबाद के सूफ़ी हजरत मीर मुज्तबा यजदानी बाबा साहब ने अपने मुरीदों के साथ अदब व एहतराम के साथ चादर पेश की। मुल्क की खुशहाली, अमन चैन की दुआ भी मांगी गयी।

# मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के तहत 46 सेक्टर में 800 से अधिक कोर्स में युवाओं को प्रशिक्षण के साथ मिलेगी कमाई भी

## सांसद श्री लालवानी और कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी द्वारा प्रतिष्ठानों और युवाओं से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर**। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के तहत 46 सेक्टर में 800 से अधिक कोर्स में युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें 8 हजार रूपए से लेकर 10 हजार रूपए तक का प्रतिमाह मानदेय भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण के पश्चात युवा आकर्षक वेतन पर निजी/ शासकीय क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना जहां एक ओर युवाओं के लिए तो लाभप्रद है ही दूसरी ओर निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के लिए भी लाभदायक है। निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों को इस योजना से जोड़ने के लिए इंदौर जिले में जगह-जगह शिविर लगाए जा रहे हैं।

सांसद श्री शंकर लालवानी और कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की विशेष उपस्थिति में आज यहां निजी क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों के संचालकों की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गयी। इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अभय बेड़ेकर भी मौजूद थे। बैठक में निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों तथा इनसे जुड़े संगठनों के पदाधिकारियों को योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। सांसद श्री लालवानी और कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने प्रतिष्ठानों और युवाओं से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह योजना नियोजक और युवाओं दोनों के लिए फायदेमंद है। इस योजना से भविष्य में प्रशिक्षित एवं कुशल युवाओं का बड़ा समूह तैयार होगा। इससे जहां एक ओर युवाओं को नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे वहीं दूसरी ओर नियोजकों को प्रशिक्षित एवं कुशल मानव संसाधन मिलेगा। योजना के क्रियान्वयन के बारे में बताया गया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित 46 सेक्टरों के प्रतिष्ठान 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह योजना मध्यप्रदेश शासन की उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण योजना है। जिसके माध्यम से व्यापक स्तर पर औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को पोर्टल पर पंजीकृत प्रतिष्ठानों में छात्र प्रशिक्षणार्थी के रूप में ऑन द जॉब ट्रेनिंग(OIT) की सुविधा दी जाएगी। पंजीयन योजना के पोर्टल https://mmsky.mp.gov.in/ पर किया जा सकता है। पोर्टल पर पंजीयन निःशुल्क है। सीएससी अथवा एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन करने पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित सेवा शुल्क देय होगा । पंजीयन उपरान्त लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड एसएमएस एवं ई-मेल द्वारा प्राप्त होगा। पंजीयन के समय किसी समस्या/संशय समाधान हेतु पोर्टल पर दिए हेल्प डेस्क पर संपर्क किया जा सकता है। देश/प्रदेश के ऐसे औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान, जिनके पास पीएएन और जीएसटी पंजीयन है। समस्त प्रकार के निजी प्रतिष्ठान यथा- प्रोपराइटरशिप, एचयूएफ, कंपनी, पार्टनरशिप, ट्रस्ट, समिति, आदि योजना अंतर्गत पात्र होंगे। पोर्टल पर प्रतिष्ठान पंजीयन करते समय निर्धारित दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। जिसमें प्रतिष्ठान का GSTIN, प्रतिष्ठान का EPFO (यदि कार्यबल 20 या 20 से अधिक हो तो) आदि शामिल है। प्रतिष्ठान के अपने कुल कार्यबल, जिसमें नियमित व संविदात्मक कर्मचारी शामिल होंगे, के 15 प्रतिशत की संख्या तक छात्र प्रशिक्षणार्थियों को संलग्न कर सकते है। प्रतिष्ठान के कुल कार्यबल की गणना नियमित एवं संविदात्मक कर्मचारी को शामिल करके की जाएगी।

# हमीदिया अस्पताल का नाम बदलने की मांग नगर निगम अध्यक्ष ने सीएम को भेजा पत्र

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**भोपाल। राजधानी में नाम बदलने का मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने शहर में हमीदिया नाम के संस्थानों और सड़क का नाम बदलने की मांग की है। इस संदर्भ में उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र भी लिखा है।**

इस पत्र में उन्होंने भोपाल गौरव दिवस के गरिमामयी आयोजन के लिए सीएम को धन्यवाद देते हुए लिखा है कि नवाब हमीदुल्लाह खान ने भोपाल रियासत का भारत में विलय करने का विरोध किया था। इस बात के भी साक्ष्य हैं कि हमीदुल्ला खान ने पाकिस्तान जाकर वहां वजीर बनने की भी कोशिश की थी। नवाब हमीदुल्ला ने भोपाल की रियासत को पाकिस्तान में शामिल करने की पूरी कोशिश की थी। इसी वजह से भोपाल को दो वर्ष विलंब से आजादी मिली। जहां एक तरफ पूरा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया था, पर नवाब की गलत नीतियों के कारण भोपाल लगभग दो साल तक गुलाम बना रहा और भारत में विलय नहीं हो पाया। इन तथ्यों से स्पष्ट होता है कि हमीदुल्लाह की मानसिकता भारत विरोधी थी। इसलिए शहर में नवाब हमीदुल्लाह खान के नाम से हमीदिया स्कूल, हमीदिया कालेज, हमीदिया अस्पताल, हमीदिया सड़क एवं अन्य कोई भी स्थान होना उचित नहीं है। इसे बदलकर जल्द देशभक्तों के नाम पर किया जाना उचित होगा।

### भोपाल का नाम बदलने की भी उठ चुकी है मांग

यहां पर यह बता दें कि पद्मभूषण से सम्मानित आचार्य रामभद्राचार्य और गीतकार मनोज मुंतशिर शुक्ला भोपाल आकर सार्वजनिक मंचों से इस नगरी का नाम बदलकर भोजपाल करने की मांग उठा चुके हैं। गीतकार मनोज मुंतशिर शुक्ला ने भोपाल गौरव दिवस पर मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने कहा था कि अगर शिव के राज में भोपाल का नाम बदलकर भोजपाल नहीं होगा, तो कब होगा। इतना ही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा था कि आखिर क्यों दोस्त मोहम्मद खान जैसे लुटेरे और नवाब हमीदुल्ला जैसे आतंकी के नाम से भोपाल को जाना जाए।

# गढ़ा, बरेला और बेलखाड़ू में सड़क दुर्घटना, तीन की मौत, 11 घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**जबलपुर।** मंगलवार को शहर के आसपास अलग-अलग सड़क हादसे हुए। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। 11 लोग घायल है इसमें चार की हालत नाजुक बनी हुई है। गढ़ा नागपुर हाइवे में जहां बुलेरो वाहन पलट गया। इसमें एक युवक की जान चली गई। वहीं मदन महल में पैदल चल रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उसकी उपचार के दौरान मेडिकल अस्पताल में मौत हो गई। इसके अलावा गौर थाना के एनएच 30 में कार को बेकाबू ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार दो लोग बुरी तरह से घायल हो गए है। बेलखाड़ू में भी बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसमें एक की मौत हो गई है। पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**पुलिस ने प्रकरण दर्ज करके शुरू कर दी जांच-**

गढ़ा पुलिस ने बताया कि गुरु की रसोई ढाबे के सामने एक बोलेरो कार नियंत्रण से बाहर हो गई। चालक को नींद का झोंका आया जिस वजह से हादसा हुआ। बोलेरो में 11 लोग सवार थे जो बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे में प्रकाश भूमिया 40 साल निवासी मोहास की मौत हो गई। वह वाहन के नीचे आ गया था। घटना के बाद सड़क पर चींख पुकार मच गई। फौरन आसपास के लोगों ने मदद कर घायलों को मेडिकल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। बोलेरो कार से सभी सवार सागर में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वे वहां से लौट रहे थे तभी हादसा हुआ। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं मदन महल थाना क्षेत्र में युवक 15 वर्षीय किशोर सतेंद्र सिंह गौड़ को सड़क पार करते वक्त अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बताया जाता है कि युवक कटनी से पिता से मिलने जबलपुर आया था।

# प्रेमिका के पिता ने कराई थी प्रेमी की हत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**ग्वालियर। चार दिन पहले घासमंडी में हुई यश राठौर की हत्या की गुत्थी सुलझ गई है। यश की हत्या उसकी प्रेमिका के पिता व मामा ने कराई थी। इसका पर्दाफाश मंगलवार की शाम को पुलिस कप्तान राजेश चंदेल ने किया है। हत्या करने वाले तीनों आरोपित पुलिस की हिरासत में हैं। अब हत्या की प्लानिंग कराने वाले पिता व मामा की तलाश की जा रही है। यह सभी हजीरा क्षेत्र के रहने वाले हैं।**

गौरतलब है कि 9 जून की रात को ग्वालियर थाने में रामवरन राठौर ने शिकायत करते हुए बताया था कि उसके बेटे यश को अज्ञात बदमाशों ने कट्टे से गोली मारी है। यश को इलाज के लिए पहले अपोलो हास्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत गंभीर थी तो इसके बाद उसे जेएएच लेकर गए। जहां पर यश की रात 11 बजे मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी थी।

### हत्या का यह था कारण

पुलिस ने बताया कि यश का गोसपुरा नंबर एक में रहने वाली एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दो बार युवती यश के साथ घर छोड़कर जा चुकी थी। युवती के पिता यश को पसंद नहीं करते थे । बार-बार लड़की के घर से भागने से पिता व उसके मामा काफी परेशान थे और समाज में बदनामी भी हो रही थी। इसी को लेकर युवती के मामा ने अपने दोस्त भरतभूषण, सत्री तोमर और अभिषेक कोरी को अपनी परेशानी बताई। जिस पर इन सभी ने मिलकर निर्णय लिया कि यश को रास्ते से हटाया जाए तभी इस समस्या का समाधान होगा। 9 जून की शाम को अभिषेक,सत्री और भरत भूषण ने घेर लिया था। सत्री व अभिषेक गोली मारकर वहां से भाग निकले थे।

### देशी तमंचा और बाइक बरामद

पुलिस ने अभिषेक और सत्री को बहोड़ापुर से गिरफ्तार किया, जबकि भरत भूषण को तुलसी विहार से। तीनों हत्या के बाद छिपे हुए थे। पुलिस अब युवती के पिता व मामा की तलाश कर रही है। असल में पुलिस ने जब छान बीन की तो उसे लव एंगल का पता चला था जिसके बाद जानकारी जुटाई तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिसे ने आरोपितों से देशी तमंचे और जिस बाइक से भागे थे उसे बरामद कर लिया।

### एक लाख रुपये खर्च हुआ हत्यारों पर

पुलिस की हिरासत में बैठे तीनों हत्यारों ने बताया कि उन्होंने हत्या के बदले में युवती के मामा से कुछ नहीं लिया। लेकिन युवती के पिता व मामा की ओर से उनके खाने पीने, शौक पूरे करने पर करीब एक लाख रुपये खर्च हुआ होगा। युवती का मामा हर बार यश को रास्ते से हटाने की बात करता था,इसलिए हम लोगों ने उसकी मदद की।

# फर्जी प्रमाण पत्र व आदेश से नौकरी करने वाले 11 को तीन-तीन साल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**उज्जैन । नकली प्रमाण पत्र व आदेश बनाकर स्वास्थ्य विभाग में नौकरी करने वाले 11 आरोपितों को कोर्ट ने तीन-तीन साल कैद की सजा सुनाई है। मामले में आरोपित व तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी रमा गोयल अब तक फरार है। वहीं, छह आरोपितों को कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया है। तत्कालीन एसपी को गुमनाम शिकायत मिली थी। जिसकी जांच के बाद पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ था। 28 साल बाद आरोपितों को सजा हुई है।**

### 25 से 30 हजार रुपये में लगाता है नौकरी

उप-संचालक अभियोजन डा. साकेत व्यास ने बताया कि पुलिस अधीक्षक उज्जैन को वर्ष 1995 में गुमनाम व्यक्ति द्वारा एक लिखित शिकायत की गई थी। जिसमें लिखा गया था कि उज्जैन शहर में एक व्यक्ति नकली प्रमाण पत्र व नकली आदेश लेकर नौकरी लगाता है। इसके एवज में 25 से 30 हजार रुपये लेता है। शिकायत में दर्ज था कि एक व्यक्ति को माकडोन के अस्पताल में जाली प्रमाण पत्र व जाली आदेश लेकर नौकरी पर लगाया है। एसपी ने मामले की जांच सीटीसीआइडी उज्जैन को सौंपी थी। जांच मे यह तथ्य आया था कि वर्ष 1994-95 में गैस राहत त्रासदी के अतिशेष कर्मचारियों को सर्वेक्षेस वर्कर/बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पद पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उज्जैन द्वारा कुछ नियुक्तियां दी गई है। जिसकी पुष्टि के लिए संचालक गैस राहत एवं त्रासदी भोपाल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी गैस त्रासदी भोपाल को पत्र लिखकर जानकारी ली गई थी। दोनों कार्यालय से मिली रिपोर्ट से पता चला था कि उनके कार्यालय से कोई भी अतिशेष कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी उज्जैन के अधीन पदस्थ नहीं किया गया है और न ही पत्र में जिन कर्मचारियों के नामों का उल्लेख किया गया है वह उनके अधीन कार्यरत हैं।

### 28 साल बाद मिली सजा

मामले में कोर्ट ने 28 साल बाद आरोपित हरिशरण, हरिशंकर, राजेंद्र कुमार, संतोष कुमार, राकेश कुमार, अरुण कुमार गंगेले, कैलाश अरजरिया, रमेश कुमार नामदेव, अमर सिंह, राजेश कुमार और संतोष कुमार रावत को फर्जी आदेश पर नियुक्तियां प्राप्त करने का दोषी करार दिया है। मंगलवार को सभी को कोर्ट ने तीन-तीन साल कैद कुल 38 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। मामले में आरोपित सुरेश कुमार, बद्रीप्रसाद, जोहरसिंह, प्रमोद कुमार, रूपसिंह, रामप्रसाद को संदेह का लाभ देकर दोषमुक्त कर दिया गया है। प्रकरण में आरोपित तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रमा गोयल को फरार घोषित कर दिया गया है। मामले में पैरवी अपर लोक अभियोजक रूपसिंह राठौर ने की।

# शाही रथ पर विराजित कर निकाले जाएंगे भगवान महाकाल के मुखारविंद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**उज्जैन । श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली भगवान महाकाल की सवारी में इस बार भगवान महाकाल के मुखारविंद शाही रथ पर विराजित कर निकाले जाएंगे। समिति दानदाताओं के सहयोग से रथ का निर्माण करा रही है। मंदिर प्रशासन के अनुसार तीन नए रथ बनवाए जा रहे हैं, इनका निर्माण दिल्ली, इंदौर व उज्जैन में होगा।**

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 19 साल बाद श्रावण अधिक मास आने से भगवान महाकाल की दस सवारी निकाली जाएगी। प्रत्येक सवारी में भगवान महाकाल का एक नया मुखारविंद शामिल होगा। पहली सवारी में भगवान महाकाल मनमहेश रूप में पालकी में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। दूसरी सवारी में भगवान महाकाल चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर व हाथी पर मनमहेश रूप में सवार होंगे। इन दोनों मुखारविंदों का पालकी व हाथी पर सवार होने का क्रम शाही सवारी तक निरंतर जारी रहेगा, लेकिन तीसरी सवारी से भगवान महाकाल के अन्य मुखारविंद शिवतांडव, उमा महेश, होल्कर, घटाटोप, सप्तधान, जटाशंकर आदि रथों पर निकाले जाएंगे।

बताया जाता है मंदिर समिति के पास पहले से ही पांच रथ हैं। इन्हें रंगरोगन कर सवारी के लिए तैयार किया जाएगा। लेकिन श्रावण मास में दस सवारी होने से तीन और रथ की आवश्यकता है। मंदिर समिति इन रथों का निर्माण दिल्ली,इंदौर व उज्जैन के दानदाताओं के सहयोग से करा रही है।

### रिश्वत में मिले सात लाख रुपये गिनते हुए पकड़े गए सेंट्रल जीएसटी के अधिकारी

**जबलपुर।** रिश्वत में मिले सात लाख रुपये गिनते हुए सेंट्रल जीएसटी के सुपरिटेंडेंट कपिल कामले और सहयोगी कर्मचारियों को सीबीआइ ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई मंगलवार शाम रसल चौक के समीप स्थित सेंट्रल जीएसटी कार्यालय में की गई। अधिकारी व कर्मचारियों के रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने की सूचना से कार्यालय में खलबली मच गई। रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारियों व कर्मचारियों से सीबीआइ के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। सेंट्रल जीएसटी कार्यालय से महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं।घटना के संबंध में मूलतः राजस्थान निवासी त्रिलोक चंद्र सेन ने बताया कि नोहटा दमोह में वे मसाला फैक्ट्री संचालित करते हैं। फैक्ट्री का टैक्स बकाया था जिसके चलते जीएसटी अधिकारियों ने उस पर ताला लगा दिया था। बीते 19 मई को जीएसटी ने छापामार कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री पर ताला लगाया था। जिसके बाद फैक्ट्री खोलने के लिए सेंट्रल जीएसटी के सुपरिटेंडेंट कपिल कामले द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी।त्रिलोक ने बताया कि इस बीच उसने फैक्ट्री से संबंधित जीएसटी भी जमा कर दी, परंतु एक करोड़ रुपये रिश्वत की मांग बनी रही।

MORARI BAPU



सत्य-प्रेम-करुणा...

**समर्थ वह होता है जिसमें राम-सा स्वभाव हो, कृष्ण-सा प्रभाव हो, महादेव-सा सद्भाव हो, कामना का अभाव हो और हरिनाम के प्रति लुभाव हो।**

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

## व्यक्तित्व विशेष



### कार्यमाणिक्कम श्रीनिवास कृष्णन

**(जन्म- 4 दिसम्बर, 1898; मृत्यु- 14 जून, 1961)**
प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक थे। 'मद्रास विश्वविद्यालय' ने इनको 'डी. एस. सी.' की उपाधि प्रदान की थी। श्रीनिवास कृष्णन सन 1945-1946 में 'भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी' के अध्यक्ष चुने गए थे। भौतिकी की प्रत्येक दिशा में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा था। प्रकाशिकी, चुंबकत्व, इलेक्ट्रॉनिकी, ठोस अवस्था भौतिकी तथा विशेषकर धातु भौतिकी पर इन्होंने अनेक खोज की थीं। सी. वी. रमन के साथ 'रमण प्रभाव' की खोज में भी इनका योगदान था। इन्होंने 'अमेरिकन कॉलेज', मदुरा; 'मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज' एवं 'युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ सायंस', कलकत्ता से शिक्षा प्राप्त की थी। 'मद्रास विश्वविद्यालय' ने इनको 'डी. एस. सी.' की उपाधि प्रदान की थी।

## संपादकीय

### आग लगने की घटनाओं को रोक पाना चुनौती

नियम के मुताबिक बहुमंजिला इमारतों और सार्वजनिक भवनों, विशाल व्यावसायिक स्थानों में अग्निशमन का पुख्ता इंतजाम जरूरी है। इस नियम के पालन में अगर कहीं कोताही देखी जाती है तो उस इमारत का पंजीकरण रद्द किया जा सकता है, उस पर ताला लटकाया जा सकता है। मगर इसे क्या कहें कि भोपाल के सरकारी भवन में ही आग की ऐसी भीषण घटना हो गई कि उस पर काबू पाने के लिए नाकों चने चबाने पड़े। हर साल जब आग लगने की घटनाएं होती हैं, तो सुरक्षा मानकों पर गंभीरता से ध्यान देने का संकल्प दोहराया जाता है। मगर हैरानी की बात है कि बाकायदा नियम-कायदों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए सरकारी भवनों, बहुमंजिला इमारतों में भी आग लगने की घटनाओं को रोक पाना चुनौती साबित होता है। ऐसे भवनों में अक्सर आग की बड़ी वजह बिजली के तारों के परस्पर जुड़ जाने से पैदा हुई चिनगारी को माना जाता है। सोमवार को दो बड़ी आग की घटनाओं ने एक बार फिर इस चिंता को रेखांकित किया कि आखिर कब आग लगने की घटनाओं पर पूरी तरह काबू पाने का तंत्र विकसित किया जा सकेगा। गाजियाबाद की एक इमारत में आग लगने से दो महिलाओं की मौत हो गई। दूसरी घटना भोपाल के सतपुड़ा भवन में घटी, जिसमें राज्य सरकार के कई कार्यालय हैं। वहां लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल, सेना और हेलिकाप्टरों की मदद लेनी पड़ी। भारत में गर्मी का मौसम लंबा होता है और जिस तरह यहां सघन बसावट है, गांवों से पलायन कर शहरों में आए लोग सिर छिपाने के लिए कहीं फूस, प्लास्टिक, लोहे की चादरों से ठिकाना बना लेते हैं, उसमें आग लगने के खतरे हमेशा बने रहते हैं। मगर उनकी तरफ प्रशासन इसलिए गंभीरता से ध्यान नहीं दे पाता कि उसकी मानसिकता गरीबों के प्रति उपेक्षा की होती है। मगर सवाल है कि दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता जैसे महानगरों में जिस तरह लोगों ने अवैध तरीके से बस्तियां बसा रखी हैं या फिर जिन बस्तियों को सरकार ने मंजूरी दे रखी है, उनमें भी आग की भयावह घटनाएं होती रहती हैं। उन बस्तियों में दमकल की गाड़ियों के पहुंचने तक की गुंजाइश नहीं होती। जैसे-तैसे वे जब तक पहुंचती हैं, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। गाजियाबाद की जिस इमारत में आग लगी, उसमें तंबू-कनात और सजावटी सामान का गोदाम था। ऊपर के तले पर परिवार रहता था। इस तरह जहां भी रिहाइशी भवनों का व्यावसायिक इस्तेमाल होता है, वहां ऐसे खतरे बने रहते हैं। मगर हर साल इतनी घटनाएं हो जाने के बाद भी नगर निगमों की आंखें नहीं खुलतीं।

**अर्ज़ किया है..!**

*साया है कम खजूर के*
*ऊँचे दरख़्त का*
*उम्मीद बाँधिए न बड़े*
*आदमी के साथ*

*-कैफ़ भोपाली*

## ज्ञान-विज्ञान

# भारत आने वाला है दुनिया का सबसे घातक हमलावर ड्रोन? ये है अमेरिका का जेम्स बॉन्ड




प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले कुछ दिनों में अमेरिका की यात्रा पर जा सकते हैं. इस दौरान वो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मिलेंगे. माना जा रहा है कि इस दौरान एमक्यू-9 प्रीडेटर ड्रोन (MQ-9 Predator Drone) खरीदने की घोषणा हो सकती है. इसी ड्रोन से अलकायदा के सरगना अयमान अल-जवाहिरी को मारा गया था. इस ड्रोन की खासियत यही है कि उसके आने-जाने की खबर तक नहीं मिलती, जब तक वह हमला नहीं कर देता.

एमक्यू 9 प्रीडेटर दुश्मनों पर चुपके से नजर रखता है. जरुरत पड़ते ही मिसाइल से हमला कर देता है. अमेरिका इसे हंटर-किलर यूएवी कहता है. एमक्यू 9 प्रीडेटर लॉन्ग रेंज एंड्योरेंस ड्रोन है. जो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों से लैस रहता है. इसमें लगे R9X Hellfire Missile से जवाहिरी के अड्डे पर हमला किया गया है.

एमक्यू 9 प्रीडेटर को रिमोट से उड़ाया जाता है. इसे अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स (General Atomics) बनाती है. यह किसी भी तरह के मिशन के लिए भेजा जा सकता है. जैसे- सर्विलांस, जासूसी, सूचना जमा करना या फिर दुश्मन के ठिकाने पर चुपके से हमला करना.

एमक्यू 9 प्रीडेटर ज्यादा समय तक और ज्यादा ऊंचाई से निगरानी करने में सक्षम हैं. इसकी रेंज 1900 किलोमीटर है. यह अपने साथ 1700 किलोग्राम वजन का हथियार लेकर जा सकता है. इसे चलाने के लिए दो कंप्यूटर ऑपरेटर्स की जरूरत होती हैं, जो ग्राउंड स्टेशन पर बैठकर वीडियो गेम की तरह इसे चलाते हैं.

इस ड्रोन की लंबाई 36.1 फीट, विंगस्पैन 65.7 फीट, ऊंचाई 12.6 फीट होती है. ड्रोन का खाली वजन 2223 किलोग्राम होता है. जिसमें 1800 किलोग्राम ईंधन की क्षमता होती है. इसकी गति 482 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है. जो 50 हजार फीट की ऊंचाई से दुश्मन को देखकर उसपर मिसाइल से हमला कर सकता है. आमतौर पर 25 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ाया जाता है.

एमक्यू 9 प्रीडेटर पर हथियारों के नाम पर मिसाइल लगाए जाते हैं. इसमें सात हार्ड प्वाइंट होते हैं, दो इनबोर्ड स्टेशन, दो मिडल स्टेशन एक आउटबोर्ड स्टेशन और सेंटर स्टेशन. इसमें 4 AGM-114 Hellfire मिसाइलें लगी होती हैं, ये हवा से जमीन पर सटीकता से हमला करती हैं.

इसके अलावा दो लेजर गाइडेड GBU-12 Paveway II बम भी लगाए जाते हैं. इन दोनों के बजाय आप इस ड्रोन पर अलग-अलग तरीके के हथियारों का उपयोग कर सकते हैं. जैसे- GBU-38, जो एक ज्वाइंट डायरेक्ट अटैक एम्यूनिशन है. इसके अलावा ब्रिमस्टोन मिसाइल भी लगाए जा सकते हैं. सभी मिसाइलों और बमों का उपयोग जरुरत के मुताबिक होता है.

इस ड्रोन के अंदर खास तरह के राडार लगे हैं. पहला राडार है AN/DAS-1 MTS-B Multi-Spectral Targeting System जो किसी भी तरह के टारगेट को खोजकर उसपर हमला करने में मदद करता है. दूसरा है- AN/APY-8 Lynx II radar, यह निगरानी और जासूसी में मदद करता है. तीसरा है Raytheon SeaVue Marine Search Radar जिसके जरिए यह ड्रोन समुद्र की गहराई में छिपी पनडुब्बियों को भी खोज लेता है.

## Highlights

1. SPJ London receives new degree awarding powers by OfS UK
2. ED tortured Senthilbalaji, questioned him for 24 hrs: TN minister
3. US judge temporarily blocks Microsoft's $69-billion acquisition of Activision
4. Village boy from U'khand who became an international treasure: US envoy on NSA Doval
5. 3 more earthquakes hit J&K after strong 5.4 magnitude quake in Doda
6. Former US President Trump pleads not guilty to classified documents charges

# Subhash Chandra, Punit Goenka barred from holding directorial positions: SEBI interim order

**NEW DEIHI, (Agency)** The Securities and Exchange Board of India in its interim order on Monday barred Essel Group chairperson Subhash Chandra along with Zee Entertainment Enterprises Ltd (ZEEL) managing director and chief executive officer Punit Goenka from holding the position of a director or key managerial position in any listed company for allegedly siphoning off funds of the media firm.

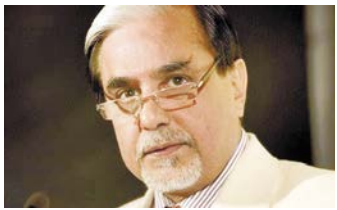

The market regulator stated that Chandra and Goenka 'alienated' the assets of ZEEL and other listed companies of the media conglomerate for the benefit of associate entities which are owned and controlled by them.

The SEBI order also pointed out that the siphoning of funds appeared to be a well-planned scheme since in some instances, the layering of transactions involved using as many as 13 entities as pass-through entities within a short period of two days only.

As per SEBI, the share price of ZEEL came down from a high of close to ₹600 per share



to the present price of less than ₹200 per share during financial year 2018-19 to 2022-23.

"This erosion of wealth despite the company being so profitable and generating profit after tax consistently would lead to a conclusion that all was not well with the company", the market regulator added. The promoter shareholding dropped from 41.62 per cent to 3.99 per cent.

Noting that the promoter family holds only 3.99 per cent shares in ZEEL, both Chandra and Goenka are still at the helm of affairs of ZEEL. SEBI alleged that the duo made sham entries to misrepresent to the investors and regulator that money had been returned by associate entities. But it was ZEEL's funds which were allegedly rotated via multiple layers to finally end in the media company's account.

SEBI had carried out a probe after resignation of two independent directors Sunil Kumar and Neharika Vohra in 2019. Prior to resignations, they had expressed concerns over several issues including appropriation of certain Fixed Deposit (FD) of ZEEL by Yes Bank for squaring off loans of related entities of Essel Group. Vohra had alleged that the bank guarantees were given to a subsidiary without approval from ZEEL's board.

# At Tata Group, top executives given pay hikes of up to 62%, says report. Who earned how much?

**NEW DEIHI, (Agency).** Senior executives of Tata Group, which operates 30 companies across 10 verticals, have received pay hikes in the range of 16-62%, according to a report.

Among its companies, Indian Hotels Company Limited (IHCL), Tata Power, Trent Limited, and Tata Consumer led the list of 'generous paymasters' this year, the Economic Times (ET) report said.

Who received how much hike?

According to the report, P Venkatesalu, the Trent Limited CEO, took home ₹5.12 crore this year, which represents a rise of 62%. Puneet Chhatwal, his counterpart at Indian Hotels, earned an annual salary of ₹18.23 crore, marking an increase of 37%. Sunil D'Souza and Pradeep Bakshi, who hold the same positions at Tata Consumer and Voltas, respectively, received yearly pays of ₹9.5 crore and ₹3.8 crore, respectively, constituting a rise of 24% and 22%, in that order.

R Mukunduan, CEO, Tata Chemicals, and Praveer Sinha, CEO, Tata Power, on the other hand, each saw an increase of 16% to their respective annual salaries, as they took home ₹8 crore and ₹9 crore. Even Rajesh Gopinathan, the now former CEO at Tata Consultancy Services (TCS), earned a remuneration of ₹29.1 crore, the report showed.

Tata Group- Formed in 1868 by Jamsetji Tata, the Mumbai-headquartered group is India's largest conglomerate and runs businesses in more than 100 countries across 6 continents. In 2021-2022, the collective revenue of Tata companies stood at $128 billion (approx. ₹9.6 trillion).

Himachal Pradesh

# बादल फटने से तबाही: कई बीघा जमीन बही, संपर्क मार्ग बाधित, चार घंटे की मशक्कत के बाद 40 लोगों को सुरक्षित निकाल

**मंडी, (एजेंसी)** पंचायत प्रधान मीरा देवी ने बताया कि बादल फटने से कई लोगों की कई बीघा जमीन बह गई। सभी संपर्क मार्ग बंद हो गए। वहीं, राजधानी शिमला में मंगलवार शाम को बादल झमाझम बरसे। हमीरपुर और कांगड़ा और मंडी में अंधड़ और बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई।

मंडी जिले के धन्यारा गांव में जून में मंगलवार देर शाम बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। लोगों की कई बीघा जमीन बह गई और संपर्क मार्ग बाधित हो गए। कई कारें भी दब गईं। रात होने के चलते नुकसान का आकलन नहीं हो पाया है। वहीं, बीडीओ विवेक भाटिया ने बताया कि सुंदरनगर के दुर्गम क्षेत्र की पंचायत धन्यारा में बादल फटा है। इससे करला गांव में अधिक तबाही हुई है। यहां पर लोगों और प्रशासन ने करीब चार घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर



40 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पंचायत प्रधान मीरा देवी ने बताया कि बादल फटने से कई लोगों की कई बीघा जमीन बह गई। सभी संपर्क मार्ग बंद हो गए। वहीं, राजधानी शिमला में मंगलवार शाम को बादल झमाझम बरसे। हमीरपुर और कांगड़ा और मंडी में अंधड़ और बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। बुधवार को भी बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी हुआ है। 17 जून तक प्रदेश में मौसम खराब बना रहने का पूर्वानुमान है। मंगलवार को शाम तक प्रदेश में मौसम साफ रहा। धूप खिली रहने से ऊना में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। शाम को करीब सात बजे के बाद पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में आए बदलाव से बारिश और ओलावृष्टि हुई। उधर, नाहन मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल वार्ड की सीलिंग अंधड़ से गिर गई। इससे मरीजों को वहां से शिफ्ट करना पड़ा।

New Delhi

## अश्लील इशारे करके कार में बैठने को कहा, नहीं मानी तो रौंद दिया; लड़की के चेहरे पर आए 30 टांके

**गाजियाबाद, (एजेंसी)** गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में जिम से लौट रही युवती से कार सवार युवक ने सरेराह छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने सड़क पार करते समय युवती को कार से रौंद दिया। आठ जून को हुई इस घटना में युवती के चेहरे पर 30 टांके आए। अस्पताल में उपचार के बाद पीड़िता ने मंगलवार को नंदग्राम थाने में केस दर्ज कराया।

राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाली युवती का कहना है कि आठ जून की सुबह सात बजे जिम से घर लौटते वक्त क्रेटा गाड़ी उसके पास आकर रुकी। चालक ने अश्लील इशारे करते हुए गाड़ी में बैठने को कहा। युवती ने विरोध करते हुए पुलिस में शिकायत करने की धमकी दी तो आरोपी वहां से चला गया। बाद में पहलवान ढाबे के पास जब वह सड़क पार कर रही थी तो आरोपी ने कार से जोरदार टक्कर मार दी। घटना के समय दो पुलिसकर्मी खड़े थे, इसके बावजूद आरोपी फरार हो गया। युवती का कहना है कि टक्कर के बाद एक राहगीर ने उसे अस्पताल पहुंचाया। उसके चेहरे पर 30 टांके आए, शरीर के अन्य हिस्सों में चोट है। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने कहा, 'युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है।

Uttarpradesh

## 14 साल की लड़की का अपहरण कर रेप, पुलिस ने किया मुकदमे में खेल, गर्भवती हुई तो..

**मेरठ, (एजेंसी)** मेरठ में किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म मामले में टीपीनगर पुलिस की कारगुजारी सामने आई है। आरोप है कि पुलिस ने दुष्कर्म को नजर अंदाज कर अपहरण में मामला दर्ज किया। मामला उस समय तूल पकड़ गया, जब 14 साल की मासूम गर्भवती हो गई। मंगलवार को मां अपनी बेटी को लेकर एसएसपी से मिली और न्याय मांगा। एसएसपी से मिली महिला ने बताया तीन माह पहले उसकी 14 वर्षीय बेटी का एक युवक ने अपहरण कर लिया। पुलिस से शिकायत की तो अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया। पिछले महीने पुलिस ने बेटी को बरामद कर उन्हें सौंप दिया और आरोपी को जेल भेज दिया। कुछ दिन पहले उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई। डाक्टर ने जो बताया उसे सुनकर उनके होश उड़ गए। मासूम बेटी ढाई माह की गर्भवती थी।

Bihar

## सरेंडर पर तकरार, मर्डर के आरोपी ने पत्नी और 3 बेटियों को मारा और फंदे से लटककर जान दे दी

**खगड़िया, (एजेंसी)** बिहार के खगड़िया जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक पिता ने अपने तीन बच्चों और पत्नी की हत्या कर दी. इसके बाद खुद सुसाइड कर लिया. परिवार के पांच लोगों की मौत के बाद इलाके में मातम पसर गया. बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह के चलते यह घटना हुई है. खगड़िया के मानसी थाना इलाके के एकनिया से सनसनी खेज मामला सामने आया है. यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन बेटियों की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी. इसके बाद फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया. घटना तब हुई, जब सभी अपने घर की छत पर सोये हुए थे.

मुन्ना यादव ने पहले घर में अपनी पत्नी पूजा देवी की हत्या की इसके बाद वह छत पर गया और वहां सो रहीं अपनी तीन बेटियों की हत्या कर दी. इसके बाद दो बेटों को भी मारने का प्रयास किया, लेकिन दोनों बेटे भाग गए. इसके बाद मुन्ना यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मरने वालों में 40 वर्षीय मुन्ना यादव, 35 वर्षीय पूजा देवी, 17 वर्षीय सुमन कुमारी, 15 वर्षीय आंचल कुमार और 13 वर्षीय रोशनी कुमारी शामिल हैं. घटना की खबर मिलते ही एसपी अमितेश कुमार मौके पर पहुंचे और मामले की जांच कर रहे हैं.

खेल

# दो साल में चार शतक लगा पाए हैं रोहित, विराट और पुजारा, भारतीय टेस्ट टीम में बड़े बदलाव की जरूरत!

**नई दिल्ली, (एजेंसी)** विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की लगातार दूसरी हार ने शिवसुंदर दास की अगुवाई वाली चयन समिति की माथा-पच्ची को बढ़ा दिया है। टेस्ट चैंपियनशिप का अगला फाइनल दो साल बाद 2025 में खेला जाना है। 2023-25 की टेस्ट चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए चयन समिति को अभी से कड़े फैसले लेने होंगे। खासतौर पर बिग थ्री कप्तान रोहित शर्मा (उम्र 36 साल), विराट कोहली (उम्र 34 साल) और चेतेश्वर पुजारा (उम्र 35 साल) की उम्र, फॉर्म, पिछला प्रदर्शन और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मंथन करने का वक्त आ गया है। टेस्ट चैंपियनशिप की फाइनल की हार का सबसे बड़ा असर पुजारा और उमेश यादव पर पड़ने जा रहा है। विशुद्ध टेस्ट बल्लेबाज पुजारा 2021-23 की टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र में 17 टेस्ट में 32 की औसत से सिर्फ 932 रन बना पाए, जिसमें एक



शतक शामिल रहा।

ओवल में खेलने वाली भारतीय टीम में पुजारा एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे, जिन्हें फाइनल में तैयारी का पूरा मौका मिला। वह ससेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेले और जमकर रन भी बनाए, लेकिन फाइनल में वह नहीं चले। चयनकर्ता नंबर तीन के महत्वपूर्ण स्थान पर पुजारा पर लगातार भरोसा करते आए हैं, लेकिन सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में उनकी 77 रन की पारी और चट्टोग्राम में बांग्लादेश के खिलाफ बनाए गए 90 और 102 रन के अलावा उनके बल्ले ने निराश ही किया।

जुलाई में भारत को वेस्टइंडीज में उसके खिलाफ दो टेस्ट खेलने हैं। देखने वाली बात यह होगी कि इस सीरीज के लिए 35 साल के पुजारा को मौका दिया जाता है या फिर रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल जैसे युवा को आजमाया जाता है। पुजारा को अगर इस सीरीज में मौका मिला और उन्होंने वहां रन बनाए तो उन्हें दिसंबर, 2023 में होने वाली अगली सीरीज में भी मौका मिलेगा। ऐसे में नंबर तीन की जगह पर किसी युवा को मौका देने में देर भी हो सकती है। पूर्व चयनकर्ता देबांग गांधी तो यशस्वी की वकालत करते हुए कहते हैं कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौका देने का वक्त आ गया है। उनका संयम जबरदस्त रहा है। उनको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन देने का यह सही समय है।

उमेश यादव भी 35 साल के हो चुके हैं। घर में तो उनका प्रदर्शन फिर भी ठीक रहा है, लेकिन विदेशी धरती पर वह प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। एक पूर्व चयनकर्ता का कहना है कि उमेश अपने कॅरिअर के अंतिम दौर में हैं, लेकिन उनके विकल्प मौजूद नहीं हैं। इंडिया ए कार्यक्रम के तहत हमारे पास एक समय हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, मयंक अग्रवाल जैसे विकल्प मौजूद रहते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। बंगाल के मुकेश कुमार जरूर विकल्प दिख रहे हैं, लेकिन उनके पास तेजी नहीं है।

सिनेमा

## फेसबुक पर लाइव आकर कपिल शर्मा शो के इस कॉमेडियन ने की सुसाइड करने की कोशिश, वजह थी प्रॉस्टीट्यूट



कॉमेडियन और जूनियर एक्टर तीर्थानंद राव ने सुसाइड करने की कोशिश की। 'द कपिल शर्मा शो' में दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का किरदार निभाने वाले तीर्थानंद राव बीते दिन फेसबुक पर लाइव आए और अपनी इस हालत का जिम्मेदार एक महिला को बताते हुए फिनाइल पी लिया। हालांकि, अच्छी बात यह है कि उनकी जान बच गई। दरअसल, उन्हें फिनाइल पिता देख उनके किसी सोशल मीडिया दोस्त ने नजदीकी थाने पर कॉल कर दिया था। कॉल के आते ही पुलिस एक्शन में आई और एक्टर के घर पहुंचकर उसे नजदीकी अस्पताल लेकर गई। आजतक को दिए इंटरव्यू में हवलदार मोरे ने बताया कि कॉल के आने के बाद वे लोग सीधे मीरा रोड के शांति नगर स्थित बी 51 बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 703 में पहुंचे। उन्होंने देखा कि फ्लैट का दरवाजा खुला था और एक कुत्ता कमरे में मौजूद था। वे अंदर गए और देखा कि तीर्थानंद आधी बेहोशी की हालत में पड़े थे। वे तुरंत तीर्थानंद को अस्पताल लेकर गए।तीर्थानंद ने फेसबुक लाइव के दौरान इस बात का दावा किया कि उन्हें एक महिला ब्लैकमेल कर रही है। उन्होंने फेसबुक लाइव के दौरान कहा, 'कुछ महीनों पहले मेरी मुलाकात एक महिला से हुई थी। मुलाकात के बाद हम दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। हम रिलेशनशिप में आए और लिव इन में रहने लगे।

# महिला ने लगाई फांसी, सात साल की बेटी को कमरे से भेज दिया था बाहर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर। सात साल की बेटी को कमरे से बाहर भेजकर एक महिला ने मंगलवार शाम खुदकुशी कर ली। बच्ची ने पिता को कॉल कर घटना की जानकारी दी। करीब 20 मिनट में पति घर पहुंचा। दरवाजा अंदर से बंद था। उसे तोड़ा तो पत्नी फंदे पर लटकी मिली।**

पत्नी को फंदे से नीचे उतारकर नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे एमवाय ले जाने की सलाह दी। यहां पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने कमरे को सील कर दिया है। पुलिस आज बुधवार को महिला का पोस्टमार्टम कराएगी।

### शादी को हो गए आठ साल

अशोक निजी टेक्सटाईल्स कंपनी में काम करते हैं। उनकी 2015 में शादी हुई थी। 2022 में उन्होंने पत्नी माया के नाम से मकान लिया था। वहीं एक माह पहले पश्चिम बंगाल के नांदेड में एक एकड़ जमीन लेने के बाद पत्नी माया और बेटी आराध्या के नाम की थी। शनिवार को वह भाई पत्नी ओर बच्ची के साथ ही इंदौर आए थे। मंगलवार को माया ने ही अशोक के भाई और भाभी की टिकिट बुक कराई थी। पुलिस के मुताबिक जिस कमरे में माया ने सुसाइड किया था। उसे सील किया गया है। बुधवार को कमरा खोलकर सुसाइड नोट की जांच की जाएगी।

हीरानगर पुलिस के मुताबिक माया (27) पति अशोक सिंह निवासी श्याम नगर ने मंगलवार शाम अपने घर में फांसी लगा ली। पति अशोक ने बताया कि वह मूल रूप से तेलंगाना के रहने वाले हैं। मंगलवार को उनके भाई और भाभी को छोडऩे स्टेशन के लिये निकले थे।

रास्ते में उनकी सात साल की बेटी आराध्या का कॉल आया कि मां गेट नहीं खोल रही। अंदर से झूला बनाकर लटकने की बात कर रही है। इसके बाद अशोक ने आसपास के लोगों को संपर्क किया। पड़ोसीस घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। माया की आवाज भी नहीं आई। अशोक तत्काल पलासिया से अपनी गाड़ी से घर पहुंचे। दरवाजा तोड़ा तो पत्नी माया फंदे पर लटकी हुई थी।

अशोक ने बताया कि उनके घर से निकले के बाद बेटी आराध्या को पत्नी माया ने मोबाइल देकर बाहर भेजा था। बेटी इस दौरान छत की सीढिय़ो पर जाकर बैठ गई। करीब पांच मिनट बाद उसे पानी की प्यास लगी। वह नीचे आई तो गेट लगा हुआ था।

पहले बेटी ने डोर बेल बजाई गेट नहीं खोलने पर दरवाजा बजाते हुए मां को आवाज देने लगी। तब माया ने बेटी से कहा कि वह गेट नहीं खोलेगी। वह झूला लगाकर उस पर लटक रही है, मर रही है। इससे बच्ची घबराकर रोने लगी जिसके बाद उसने पिता को कॉल किया।

# गर्लफ्रेंड के लिए बन गया चोर

● वेबसाइट के जरिए दूसरे की गाड़ी अपने नाम बताकर बेच देता था, तीन बाइक बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर। छोटी ग्वाल टोली थाना पुलिस ने बीटैक के एक स्टूडेंट को पकड़ा है। उससे चोरी की तीन बाइक बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक स्टूडेंट नौकरी नहीं मिलने के बाद अपना खर्च उठाने के लिये बाइक चुराने लग गया। वह एमपी ट्रांसपोर्ट की वेबसाइट से गाडिय़ों का नंबर निकालकर फर्जी डॉक्यूमेंट भी बनवा लेता था।**

टीआई रूपेश मोदी के मुताबिक पकड़ाए आरोपी का नाम विनय पुत्र सुरेश तिवारी है। जो फिरोज गांधी नगर का रहने वाला है। आरोपी ने कम्प्यूटर साइंस से बीटैक की पढ़ाई की है। विनय के पास तीन बाइक मिली है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बाइक शहर के इलाकों से ही चुराई थी। उसके पास फर्जी रजिस्ट्रेशन ओर आधार कार्ड भी मिले हैं। विनय तिवारी पर चोरी के साथ धोखाधड़ी की धाराएं भी बढ़ाई जा रही हैं।

आरोपी ने बताया कि वह खुद ही सॉफ्टवेअर और एप की मदद से डॉक्यूमेंट में हेरफेर करता था। फिर उसके प्रिंट निकालने के बाद उसे अपने नाम से करके कस्टमर ढूंढकर वाहनों को बेच देता था। विनय ने बताया कि दो साल पहले उसका बीटैक हो गया है। लेकिन उसे नौकरी नहीं मिली। इस कारण उसने बाइक चुराने का प्लान बनाया। पुलिस ने बताया विनय को कुछ समय से नशा करने की लत भी लग गई थी। विनय ने पुलिस को बताया कि वह गर्लफ्रेंड पर पैसा खर्च करता था। इसलिए उसे रुपए की जरुरत पड़ती थी। नौकरी नहीं होने के चलते उसने गाडिय़ां चुराना शुरू कर दिया

# काम के लिए बिहार से लाए 13 साल की मासूम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर**। बिहार से आकर इंदौर में घरेलू काम कर रही 13 साल की एक मासूम को चाइल्ड लाइन ने मुक्त कराया है। मासूम के शरीर पर खून व चोट के निशान मिले हैं। वह काफी डरी और सहमी है। दंपती उसे तीन साल पहले बिहार से इंदौर लाए थे। यहां बच्ची से मनमाफिक काम कराते थे। चाइल्ड लाइन उसकी काउंसलिंग कर रही है।

चाइल्ड लाइन को सूचना मिली थी कि खुड़ैल क्षेत्र के 155 शिवालिक कालिंदी मिड टॉउन में राजन-सोनम गुप्ता दंपती के यहां एक 13 वर्षीय मासूम काम करती है। जिसे बाहर से लाकर काम कराया जा रहा है। दंपती उससे बालश्रम करवाते हैं। इससे मासूम की सेहत ठीक नहीं है। इस पर मंगलवार को चाइल्ड लाइन, कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन से जितेन्द्र परमार, राहुल गोठाने, मंजू चौधरी, महिला बाल विकास विभाग से अशीष गोस्वामी, संदेश रघुवंशी, श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक श्रेया झा, विशेष किशोर पुलिस इकाई से रामेश्वर चौधरी की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने परिचय दिया तो दंपती सकपका गए। यहां टीम को 13 वर्षीय बालिका घरेलू काम करते हुए मिली। उससे पूछताछ की तो बताया कि वह जगदीशपुर भागलपुर, बिहार की रहने वाली है। यहां वह तीन साल से काम कर रही है। दंपती उससे उनके बच्चों की देखरेख करवाना, खाना खिलाना, डस्टिंग, क्लीनिंग, खाना बनाना, जूते की पॉलिश करवाते हैं। बालिका के शरीर पर नाखून और चोट के निशान भी मिले हैं। पूछताछ में उसने दंपती द्वारा द्वारा मारपीट किए जाने से इनकार किया है। चाइल्ड लाइन का मानना है कि वह अभी डरी हुई है। बालिका तीसरी तक पढ़ी है। यहां उसका स्कूल में एडमिशन भी नहीं कराया गया है। दंपती से पूछताछ की गई तो बताया कि वे बालिका के माता-पिता को हर महीने 6 हजार भेजते हैं। इसकी जानकारी मासूम को नहीं है। बाल कल्याण समिति ने बालिका को संरक्षण में लेकर संस्था में प्रवेश का आदेश दिया है। उसका मेडिकल कराकर उसे एक संस्था में भेजने के साथ उसकी काउंसलिंग की जा रही है। इसके साथ ही दंपती की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

# महिला को पुलिस थाने लेकर पहुंची, बिगड़ी तबियत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर।** प्रापर्टी के विवाद में एक महिला को पुलिस थाने लेकर पहुंची, जहां उसकी तबियत बिगड़ी तो उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के बाद महिला को छुट्टी दे गई, वहीं पुलिस ने भी उसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया। महावर नगर का में रहने वाली लक्ष्मी पति तोताराम को सोमवार की रात अन्नपूर्णा थाने की महिला पुलिसकर्मी एमवाय अस्पताल लेकर पहुंची। यहां उपचार के बाद महिला को छुट्टी दे दी गई बाद में पुलिस ने भी महिला को छोड़ दिया। बताते हैं कि जिस मकान में लक्ष्मीबाई का परिवार 80 साल से रहता है वह उन्होंने खरीद लिया है। दूसरे पक्ष के अजय जैन ने,पावनाथ कालोनी ने भी इस मकान को खरीदने का दावा किया है। ये मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। इसी मामले को लेकर पुलिस लक्ष्मी को अन्नपूर्णा थाने लेकर पहुंची थी और वहां उन्होंने तबीयत बिगडऩे की बात कही तो मेडिकल के लिए एमवाय लाया गया था। वहां पर इनके परिजन और पुलिस के बीच कुछ हंगामा होने की बात भी सामने आई है। इस मामले की जानकारी लक्ष्मी के परिजनों ने पुलिस कमिश्नर को भी दी थी।

# दो दिन बाद फिर चोरी करने आए दो नाबालिग पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर**। अन्नपूर्णा इलाके में पुलिस की रात्रि गश्त में लापरवाही के चलते तीन दिन में दूसरी बार चोर कॉलोनी में घुस आए। यहां पड़ोसी की नींद खुली तो उन्होंने चोर देखकर शोर मचाया। करीब आधा किलोमीटर पीछा कर दो नाबालिगों को पकड़ लिया। उन्हें पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

जबकि उनका एक साथी कूदकर भाग गया। पुलिस के मुताबिक उसकी भी जानकारी मिली है। वह घायल हालत में निजी अस्पताल में राहुल निवासी महावर नगर अपना उपचार करा रहा है। पुलिस यहां से डिस्चार्ज होने के बाद उसकी गिरफ्तार करेगी। पुलिस के मुताबिक आरोपी नशे के आदी हैं। जो रात में चोरी करते हैं। रहवासियों ने सोमवार रात तीनों चोरों को पकड़ा है।

मधुबन कॉलोनी के रहवासी सौरभ तिवारी ने बताया कि सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे जोरदार आवाज आई। इससे उनकी नींद खुल गई। वह दूसरी मंजिल की बालकनी से बाहर झांके तो पड़ोस में रहने वाले कंस्ट्रक्शन कारोबारी हेमंत जायसवाल के घर की छत पर चोर राहुल खड़ा था। दो नाबालिग सड़क पर खड़े थे। सौरभ ऊपर से ही चिल्लाए तो चोर पकड़ा न जाए इस वजह से राहुल छत पर ही लेट गया। नीचे खड़े नाबालिग बाहर की तरफ भागे। सौरभ बालकनी से नीचे उतरे और दोनों नाबालिगों का दूसरे रहवासियों के साथ पीछा किया। जिसमें से एक नाबालिग दशहरा मैदान के यहां पानी की गुमटी के पीछे छिप गया। सौरभ और उनके साथियों ने नाबालिग को देखा और पकड़ लिया। नाम पता पूछने पर उसने राहुल और उसके छोटे भाई के बारे में जानकारी दी। रहवासियों के कहने पर नाबालिग ने दूर से उसके दूसरे भाई को मदद के लिये आवाज लगाई। तब दूसरा नाबालिग भी झाडिय़ों के बीच से बाहर निकल आया।

### दो दिन पहले भी चुराकर ले गए थे पांच बैटरियां

हेमन्त ने एक दिन पहले ही पुलिस को आवेदन दिया था कि उनके घर पर कंस्ट्रक्शन और मटेरियल संबंधी मशीनें और अन्य सामान रखा रहता है। वह किराये पर भी सामान देते हैं। तीन दिन पहले ही उनके यहां से करीब एक लाख कीमत की पांच बैटरियां चोरी हुई थीं। इसका आवेदन भी हेमंत ने एक दिन पहले ही पुलिस को दिया था। पहली चोरी में नहीं पकड़े जाने पर नाबालिग दूसरी बार चोरी करने पहुंचे और पकड़ा गए। दोनों नाबालिग भाइयों ने उनके द्वारा की गई चोरी की कई वारदातें भी पुलिस को बताई है। रहवासियों ने बताया कि मधुबन कॉलोनी थाने से सटकर ही लगी हुई है। पहले यहां पुलिस की गाडिय़ां गश्त करने आती थी। लेकिन कुछ माह से पुलिस ने गश्त करना बंद कर दिया। दो माह पहले भी उनकी कॉलोनी में रहवासियों ने एक चोर को पकड़कर पुलिस को सौंपा था। लेकिन नशे में होने के चलते पुलिस ने उसे छोड़ दिया। रात में पकड़ाए चोरों ने बताया कि उनके ग्रुप में ओर भी साथी इसी तरह की चोरियां करते हैं। पुलिस अब गैंग से जुड़े बाकी के लोगों को भी ढूंढ रही है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।